

DPN 6202

Title : चचास्ये ५ CACA ME

Run. No. 6893

Cat. No.

Micro. No.

Subject चचा ५ / Carya song

Religion : Hindu / Bauddha

Language : ☒ Skt. / ☐ New. / ☐ Nep. / ☐ Skt.- New. / ☐ Maith.- New. / ☐ New.- Nep. /

Size in cms. 15 x 12

Folios 16

Lines (in a page) 9

☒ Compl. / ☐ Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : ☒ New. / ☐ Dev. / ☐ Bhuj. / ☐ Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / ☒ paper / ☐ thyasaphu /

Condition : ☒ fine / ☐ damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

P. T. O.

बाबुराजा तुलाधर
Baburajendra Tuladhara

शुकी दुःख कर्मा न / caraya songs title in this code

✓ मधुमे मधु

✓ उवकु दहेन पैच शात ह्युप

✓ ओनिल ठनिल, जल

✓ चल वार्ति त्रिनि पोचन

✓ नमः हुं अकार ह्य

✓ त्रि चलं रावि शादि मधुल मारु

✓ हाडा तल त्रिआमि रे सल्ल

26.25

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

40



जागहेनवि ॥ ॥ माध्यमं नूतनं सहायकं न कनाकि
 तं पूर्वदिदहं हनं जं स्वदिपं ॥ अपनं गमं दायं विउरुन
 कूनं वरहं पंचवर्षं पंचजिनं व्यापियानं ॥ ५ ॥ ॥
 नमपं च वृद्धं विभ्वं ॥ अतिविभ्वं एतं विभ्वं एतं पंच
 मूर्ति ॥ अष्टदिपानं लहं गतिं जिनं मानं साहं च नुतय
 तिमिलं घनं धानं नूपं ॥ ॥ जातवंदं नमं या उपदिपना
 उपदिपनी जातु ध्यानं ॥ स्वसनला उपदिपं च उविदिगं
 जुवनें ता उपदिपं श्रीरवंदपनं ॥ ॥ दिनदवनं प्रावि
 यनलं नूधिनं या चियं सफु अष्टांदलं चूं विर्या ॥ ॥

अवलना उदिचियं सायकं चक्रां सहायकं लक्ष्मिनिधि
 लवंदयं नि ॥ ॥ गूनुचनं हाप्रिवनं साहं गतिपनिता
 वनामनं कूसं स उदकं पानि संदुलि पूजा ॥ ॥ प्रभव
 पनिता वस्त्रि सफु पानि पूजिता एव जलनिधि संतन
 च संतु तं ॥ ॥ ॥ नागं न्धते नवी ॥ ॥ ज्वक
 दहनं पंच हस्तं नूपं ॥ पंचासु तन स पंच सा लि पूजिय
 ॥ ॥ तु प्रादं विवलि नायं प्रित वनं विना ॥ ॥ विमन
 धी पंचकं समया आनं ॥ ॥ ॥ विनं विनं न्वन स
 इ जानं ॥ ॥ कं वं कं मला सनं दया नं ॥ ॥ ॥

॥ कनिका ॥

॥ नरकवर्ध ॥

पंचवृद्धपंचस्वन्धस्वरूपं ॥ २ ॥ देवासननवप्रसूदितादृष्ट
 या ॥ ३ ॥ ओं आहूतिं स्वधनकनिका ॥ ४ ॥ समूहं
 ह्यध्वनिविनमानन्दः ॥ ५ ॥ ~~॥ ६ ॥~~ ॥
 नागपट संजलि ॥ ७ ॥ अनिल जूनल जल जोरवमाभ
 भनूमहल चक्रनाया ॥ ८ ॥ वक्रपंजलनल जानसंप
 नितदिथभनूमहल चक्रनाया ॥ ९ ॥ उमनूकन
 यिया भुन्यकनूहजालिगधदूवकनयीया ॥ १० ॥
 वक्रनादिआलिगधसम्बन कनयिया ॥ ११ ॥ छुमिं
 विनंविनभनसंजलिं कुदिं गदिं गदिं जूष्ट भनना ॥ १२ ॥

जूनूहसर्वदेववक्रषाउभदविमीनंतिवहयनसंहाव
 पितृवधगुक्रचक्रनायनतनागपितृवनगुक्रचक्रवि
 नादेविना ॥ १३ ॥ पिनीगुवननकनाटकसंपसादि चद्रलिह
 लउयकाकाला ॥ १४ ॥ अदिनिलिभं भगनूवोदितगुनां
 रंगलछादि रंगलरावजूतावं ॥ १५ ॥ जन्मसमचत्वारय
 वंन्धनछादि रंगलरायसा नू अतियसंहाव ॥ १६ ॥
 नागनाट ॥ १७ ॥ नरकवर्धपिनीलायनसंदनि ॥ १८ ॥ अयं द
 भतजपहनधकिवधो ॥ १९ ॥ तुमदेवीवानूधि
 मासकिदेवी ॥ २० ॥ जगतप्रसादि नमयनसंज्ञा ॥ २१ ॥

आगमवैद्यपूनाधवधानां श्यागधर्मदिङ्गागूनुउ
 पदंभ ॥ ५॥ पंचवृद्धसन्पकभगुम्भ ॥ सयात्
 आगिनिमाभ्यहृत्तववन्तुहृत्तव ॥ ५॥ भगूनुच
 नदाभिलिंगतधविशातनयिवाक्वकुत्तम्भनूपि ॥
 ॥ ५॥ नागहेनवी ॥ नमः ॥ अकाननूपधनू २
 स्वयविसत्त्वउत्ताधनू ॥ ५॥ तनाहैहैतनाहैहै
 ॥ २॥ तनाततहैहैहै ॥ ५॥ द्वेद्याल्लिंगधयागधनू २
 वरुघंष्टसूडाधनू ॥ ॥ धवनसूभंगूनदहृध
 नू २ सनदसूभदिद्यचंन्दसूमायादहृनीहा

॥ निचक्रं ॥
 ऊगू २ साहीयकनूधसत्त्वमहै ॥ ५॥ नागभग
 नमाना ॥ पिचक्रविभभिजिमहलसाभस्थिति
 जानन्दसूनुतिधना ॥ २॥ वरुवानादिआल्लिंगधस
 म्वना ॥ नानावस्मिमहोक्तला ॥ ५॥ तनाहैहै
 तनाहैहै ॥ २॥ तनाततहैहैहै ॥ ५॥ नीलवधुचिगुवक्त
 पीसूखपिजपापवमानन्दसूनुतिधना ॥ २॥ विश्व
 वरुअर्द्धचंन्दकतासूकूटधनाहाअतनदसू
 ॥ ५॥ ॥ वरुघंष्टगऊचर्मदसूखत्वांग
 विनमानन्दसूनुतिधना ॥ २॥ कनतिकपालपच

सपाक्षप्रिभुलवक्रसिर्धनावाघचर्मकम्पितं
 स्थिता ॥ दिगंविदिगंकाकासादियमगर्किनी
 दवीसद्गानन्दसूत्राधिना ॥ नमासि ॥ श्रीचक्रस
 म्बनासतगूचनक्षजावाधिता ॥ ॐ ॥
 नागजूरुडि ॥ ॥ हादातनतक्रियायिर्भसम्बल
 नाधनयिकेवाछनिर्भव ॥ ॥ तुम्भवाचंभसं
 धियासूक्ष्मनमूकतर्कसदिगंम्बना ॥ ॥ ॐ ॥
 पञ्चभानुसम्बननायासमनसुदविभाचूकी
 ना ॥ ॥ इमविनादिनिवक्रवावादि ॥ ॥ इदमदि

॥ हागानन्द ॥

भाचूभला ॥ ॥ भालिहायनेवलंसहमयनेकम्पि
 नतवयितंवीला ॥ ॥ गगननिलवदुर्विन्धनडा
 भाभूमेष्टलतवविष्म ॥ ॥ प्रियंथउषटहू
 छादिगनसम्बनपरिसायेभुन्यतक्राना ॥ ॥
 इमविनादिनिवक्रवावादि ॥ ॥ तुम्भविनूदयमिजं
 म्बना ॥ ॥ गावन्तिलीलावक्रकलियाउचंसतगू
 चनक्षजावाध्या ॥ ॥ समयानन्ददुलिरगल
 मेष्टलंसम्बलवक्रवावादि ॥ ॥ ॐ ॥

पिहकविप

पिहक

पिहक

कयवावति

नागलृगमचमावश्री ॥ ॥ पिचक्रवविभभिसंष्टल
 माभिस्यिनि ज्ञानं न्य सूत्राणि धना ॥ ॥ नाग-ध्याते
 नवि ॥ ॥ पिहवनकलितसूत्राणि अन्ननायनविनय
 वर्गि ॥ ५॥ ॥ नाचैववदुसत्त्वपचभं भवोदवति ॥
 ॥ नन्मीसहसुर्किहदभसूर्य सहसुवर्गि ॥ ५॥
 वहविहचूपनविभभिस अन्ननायनसत्त्ववर्गि ॥ ५॥
 नागसोधि ॥ ॥ पिहंष्टाचापयिथाजिनिदविहकवानि
 ॥ कमलकूलिभद्यंष्ट कचहंविशान ॥ ५॥ ॥
 थाजिनिगुक्तविनूयनहंनजिवाये ॥ २॥ ॥ नाचामूह

चूंविशानकमलसपिवयि ॥ ॥ ॥ पिहंष्टाजिनिरूप
 नजायि ॥ २॥ ॥ सानिकूलवादिशानादिनसमान ॥
 ॥ भवधनधानचूंविशान ॥ २॥ ॥ चंडसूर्यदूयिपकु
 नराचंठा ॥ ॥ ॥ एनयिगमठालिहमकू नूवविना
 ॥ २॥ ॥ ननयष्टानिसाभ्यंउरायनउविना ॥ ॥
 नागपंचम ॥ ॥ ॥ कयंवावलिहनूवधनयि २ सय
 नसनासनजगतउधानी ॥ ५॥ ॥ ॥ ॥ एगवति
 पादूकमनसहिंसंष्टलनोपूननूहंमूनकावा ॥
 हादरामनआएनहाविराषिताभधनघंष्टउशाना

गङ्गादिन

॥ २ ॥ प्रिनिप्रिनिप्रिनयंतिप्रिनिनयना ॥ ॥
 कचगिरवत्पनपीवेनूदननसिचमाला ॥ २ ॥ कुं
 क्षित्वांगवनसूकूटक ॥ ॥ ध्रु ॥ भिनसिसि
 न्धूननाकडिलस्सुलाकस्तुनिकर्षूनाम्बून
 मयसाचा ॥ ॥ ध्रु ॥ एनयिसूनतवडवाथलि
 दाभा ॥ २ ॥ श्रीवडवविप्रसाद श्रीहचूवपाया
 ॥ ॥ ध्रु ॥ नागहेनवीजनचक्र ॥ ॥ गङ्गादिन
 उर्ध्वनशब्धधनीयाकमलकूलिभभूदयवा
 नि ॥ २ ॥ दमचूकर्तिकुंभवापिभुलावामखद्वा

गकपालभूधना ॥ ॥ ध्रु ॥ श्रीसम्बननायावाथ
 पुक्तडांगुलिना ॥ २ ॥ मानयिचपापिय्यालसा
 यासासुहृत्तवगुमूडासिद्धि ॥ ॥ पाभवक्रमूद
 वामहात्थधनियाउननभिनमाला ॥ २ ॥ नीलह
 वितना ॥ हेतकनकाएवचउसूखभूतिवीकना
 नभूदना ॥ ॥ अलिठप्रणाहेनवचापिय्यानः कारि
 नपिवीसूभूडा ॥ २ ॥ विश्वकूलिस अर्धचन्द्रका
 मूकवाध्वर्धमषदमूडा ॥ ॥ ॥ प्रिसंविनंविनंभ
 चनायकप्रिनिचक्रमहावीनवीना ॥ २ ॥ कनूद

गानविनविनं नवनहं जयिसयानसंसाधना ॥
 वागललि ॥ विषयश्विनूपवनसंथागदलियिचंदा
 विनारिकमल ॥ २ ॥ दस्येजिनवीसू भलिजलयिस
 नावकृतिनी आतासमय भामसयन ॥ ५ ॥
 नभमंरुधोपकालचक्रहंवक संवनविस्वतुप ॥ २ ॥
 पयिपदूमसंथागसस्तावनी भामासहज आनं
 न्दसयहानवृप ॥ ॥ वक्रचयिक भाकं कूमवृत्त
 तनूनाससंगतिजूका एधमनं ॥ २ ॥ ऊगातदूष
 नासहं वीधिदूनदायकं थागधर्मभाचूताव

ऊदय ॥ ॥ गूनुवाक्यदृष्टधनीयाजूदपवनकू
 चियमक्षिसूकूटचंनुउगादिधनिया ॥ २ ॥ चउ
 चक्रपापभविनपनमं न्वनिसूर्यरिमां भांनूवा
 नहिरावनं ॥ ॥ स्वप्रसायाभदसतावपनिताव
 जावृद्धधर्मसनक्षगतिथं ॥ २ ॥ गूनुचनक्षमि
 प्रगतधनिया ॥ २ ॥ गावंति सूनतवक्रः जन्मऊ
 भाचूवृद्धभनहं ॥

सायोज्ञा

नागदेभान ॥ सायोज्ञा लविनू लद ॥ लसविना
 २ सोइसायानदप्य द्वादिल साया भाद ॥ ५२ ॥
 जसंसाव जूसाव ॥ नागद्वय भाद द्वादिल जीनजू
 सा ॥ ॥ अजमिषन यन दृष्ट कू नूया ॥ २ ॥ उजमचिके
 कद्वय चै पूजेद ॥ सहज संताज यउद नागत धवि
 या ॥ २ ॥ वल्वने पम सवा प्रन नू नप ॥ ॥ अत्र धू चउय
 चं चुपाय पसा ॥ २ ॥ जाव गि नि नू दू ॥ खपाप राय चक
 ता चिके विन ॥ ५३ ॥ नाग के नउ ॥ श्रीमं रु नाथ व
 न महा चिन विजया ॥ २ ॥ च नू सा सष ऊध ना नागवा

श्रीमं रु नाथ

सदह स्वनू ॥ ५४ ॥ नसा मि ॥ श्रीमं रु कू सा ना ॥ २ ॥ उग
 दि ल्वन उगत गू नू रावन व्यापिता ॥ पूष्ट कधन लुग
 पनम गू नू नाया ॥ २ ॥ श्री धर्म धा गू रु था भिपाल मं दला
 नं रुता ॥ ॥ उगत नाथ उगत ऊन जी नं ऊन ना ॥ २ ॥
 सर्व लस विसा नद पन्दिता जिनं ऊन ॥ ५५ ॥
 नाग नमक नी ॥ ॥ हं हं दे दधनू संसा ना नू ॥ २ ॥ दंदा जू
 लिग नया यधनू ॥ ५६ ॥ हं व ऊतु कत ना हं हं ना हं
 हं रता ना ता हं हं ॥ सून न न वं दित च न धनू ॥ २ ॥
 कूस मवि ले पन दे दधनू ॥ राव वि नू कू रा विवे ख गू हा

कृतायि २ नमः ४ है नमः ४ है श्री हवजगु कगूनप
षायि ॥ ॐ ॥ नागजात ॥ सकवजगगूनसम्बन्धी
ना २ ॥ अन्नूपमकनूक्षकनितसखचिन्ता ॥ ५ ॥
सम्बन्ध २ कनूम्भयितावे २ विवीधिकल्पेविनामननुधं
दविवानादिगुणसंहितादहा २ ॥ एव एव हननविन्ना
नविन्नाभा ॥ ॥ सकलविघ्ननहंजीमतिप्रतिभूता २ न
गिपतिस्वर्गनिवासनचूटा ॥ ॥ तावातावकृताहतिम
गिचिन्ता २ ॥ अन्नूपमसखनसमग्नसखचिन्ता ॥ ॥

श्रीहृन्वक्त्रं भगवत्मा देविप्रिया वचना यः २ पंचजिनया
पितापं च वदति ॥ ५२ ॥ जन्मसि ॥ २ ॥ श्रीरामपूजना
यत्नेना ॥ २ ॥ श्रीहृन्वक्त्रं श्रीगुरुस्वामीवक्त्रं गिनिभुज्या
॥ पूर्वदिगं स्थितं तेन वदितवर्ध ॥ २ ॥ दहिनापाधनिवास
विन्दुधना ॥ ॥ घस्मन्नीचीया गिनिदेवि ॥ २ ॥ गावन्निनि
यावद्दुर्गा न सवजा ॥ ॥ ह्रैविक्त्रं सत्तावरसमद
ज्ञानवनसद्वाग्निभक्तलक्षधना ॥ २ ॥ द्वादसत्तका
वदवदजा द्वादभवात्तनकनेत्रं ॥ ५३ ॥ जन्मसि
श्रीहृन्वक्त्रं स्वयं सात्तायतवत्तयदनधं ॥

चतुर्विंशतिपिबन्धनं च प्रसंविनविधम्
 च २ चउ चकुषदकिपनिनिवृतादवीसंपूत
 प्रकलितस्थिता ॥ प्रह्लासंपूत जालिकालि
 पदाक्रान्ता जूतिसंदरा ॥ द्वादसद्वीउ क
 रावनाजनामिश्री चकुसम्बना ॥ मागू
 नूचनक्षमिलैभ्यर्पतनयिगित श्रीवक्र क
 लिभा ॥ दानपतिभमनाद्वयसदमलज्ज
 नाधिता ॥ नागकाभाद ॥ प्रकलितद्वैका

॥ प्रकलितगर्भकाय ॥

चतुर्विंशतिपिबन्धनं च प्रसंविनविधम्
 कस्थितलुकेकनक्षं चतुर्भूटकाधधियं ॥ ५ ॥
 नमामिश्रीपचष्टुविनंतवसिन्धूनसिंधूनकनक्षं २
 विल्वनाथप्रिगुवक्षयापितं वक्षानिधं सनकनक्षं ॥
 ॥ अनागजानूस्थितप्रिगुवक्षविनं सर्वगृह्यमख अक्ष
 दधानं ॥ वामतर्जनीद्विपालधनं वाविनासन
 वन्धनवनक्षं ॥ जानानत्तादान नोपूनाकलिभ
 खलातृषितदं ॥ इय कनरिषमवदनं प्रि
 वनलायाप्रचष्टुवेनं ॥ विनाधिपति सर्वरायद्व

तथैतपि ॥ आदि ॥ नानमनसा ॥ २ ॥ सननयका
 दिवंदितापादं सर्वसिद्धिभाङ्गकूलदं ॥ ॥ ॥
 नागवसंत ॥ ॥ अगसिकसुमदूणिदं हाप्रासना ॥
 विविनलसक्षिभूकृतविराजिता ॥ ॥ ॥ नाधेन
 श्रीजूलविना ॥ ॥ गजाचउ जूनं न्यविनासयि
 जूलला ॥ ॥ भासउद्वविचूसूडादर्भजा ॥ २ ॥
 पत्ताजालिगह जूदयमहासूदं ॥ ॥ विनागचंउ
 घातिवरायंकना ॥ २ ॥ तस्यनिहंताख उगर्जनिपा
 ला ॥ ॥ साचनचूदर्यनिविलविब्रह्मना ॥ २ ॥ नविन

निरुगहवविनासयि जूलला ॥ ॥ ॥ नागादि
 वा नाहिवास्थितापिदलसर्वाडा दिनकनमंलुल
 मध्यस्थिता ॥ २ ॥ नरुथभादयाचापयियागाद्विसू
 कृठकेसदिगवना ॥ ॥ ॥ पनमामिवाछलि श्री
 बरुथागिनी जूनगनवाधिपदाचनी ॥ ॥ दिरुऊज
 कसूरवपिलाचनालाहीगवर्धपुल्लिता ॥ २ ॥ गिरुवहा
 व्यापिनीदहिनकचगिधनिमर्जपूनिगकपालधनि
 ॥ ॥ चकीकूलकंहिधनिश (थलाचकविराजि
 जी ॥ २ ॥ चन (हाजीपूचदहिनकचगियमंघलानन

॥ सर्वोक्तानां ॥

॥ उदितानां ॥

सिनवीरुविता ॥ विव्वरुननीपनमगूह ॥
 नएवयहनक्षिविच ॥ विच ॥ सह जा नन्द ॥
 पिनिद्वीचिदिसिदिचनक्षपसादने ॥ ॐ ॥

नागधनाभी ॥ सर्वाक्रानामाहासखरुनिया च
 उज्ज्वलनन्ददिदहा ॥ प्रितवधदलयिमहासख
 नाया चन्द्रसूर्यदूयिमनिया ॥ ५२ ॥ नपापावे
 धनपूजनिधमिगुवचउकस्वचूषि ॥ सर्ववीक
 ल्यविध्वंसनिद्वी अनूतनहानवनदायीनी ॥
 अमिताएवमंक्षुलउदिया नथीति कल्याणलमि

वचूपधनि ॥ कनतिकपालाखद्वोगधनी ॥ प्रज्ञा
 ज्ञानवचदायने ॥ दिगंवनमकूटकंसी चक्रिकू
 हलकंक्षिधनि ॥ नूचकभरवनापायनधनिगि
 वचूडनलसिलमाला ॥ सर्वतभगतजननिद्वि
 विचदिगतावज्जुतावा ॥ जीवद्वयाजीनी चनक्ष
 सिलपंगाधनियागावंगिसमनसंवडा ॥ ॐ ॥
 नावितास ॥ उदितागनयियापवनधूता वचंसुतादा
 नककाभलङ्गा ॥ ५३ ॥ धानदूयानएवजिसंगलि
 ता ॥ अखयनिचंजनभी डूकृता ॥ दिनकचमेष्ट

॥ दिग्विजय मंत्र ॥

या ॥ २ ॥ पंचभिनसविजवा नूति ॥ ॥ सगनूचन
 क्षप्रसादं चतुर्थं तिथिं क २ ॥ पारतन्त्र्यनि संसा नस
 मूडा ॥ ॥ ॥ नागविलास ॥ ॥ दिग्विजय मंत्र ॥ ॥
 कवर्ध २ ॥ नयमूकटकं नपि निजाला वना ॥ ॥
 नभाद्वी वृद्धदा की निवी वृद्ध जनी ॥ २ ॥ प्रियव
 यापि जिन ह्य नदायनी ॥ ॥ ददि न क न व ऊ वि
 नसि गदग्धाति ॥ २ ॥ वामक नाग क चतु न स वि सं पि
 वयि ॥ ॥ ॥ नूति म ह्युल सा भ अ दी या न ग म न ॥ २ ॥
 न सो नो पून वल भाग पर्व नीता ॥ ॥ श्री विद्याध

चिद्वी सून जन स्वर्णिता ॥ २ ॥ सकल अद्वि सिद्धि द
 दि सं सा गा ॥ ॥ ॥ नाग पंचम ॥ ॥ जूय ना वि जू
 य प्रक्षका न ॥ २ ॥ जूय या गि नि व च न ॥ ॥ ॥ सि न सि
 सि न्धू न कं ऊ ल दू ला ॥ २ ॥ द वी प भ दं न भो कू सार्ग
 ॥ ॥ न न स त्व जू थी न पा न का नं ॥ २ ॥ गू नू वा क न जा यी
 रं ॥ ॥ कूल वं स मा गु त त्व दू ल दं २ ॥ कू वृद्धि कू चि कू
 ना भ दू ल दं ॥ ॥ तत्त्व सि न सि सिद्धि कूल प भ दं ॥ २ ॥
 ऊ न ऊ न स व ऊ वि ना सि नि भ न द ॥ ॥ ॥

॥ नमामि श्रीरामाय ॥

नागहेनवि ॥ नमामि २ श्री हानाते मदाय कुक्षीद
वि २ पंचपूपापिवाचीनीदेवी ॥ ॐ ॥ नमामि २ पद्म
क्षिमासकिदेवी जगसंसा नपुणिपाविगा ॥ २ ॥ ऊ
नजन्म अदिसिद्धि माकु मूक्ति प्रसादा ॥ नमो हूँ
नमो हूँ ॥ ॥ नमामि २ श्री सूर्य धन देव विजय
रामाविगा ॥ द्वादसवर्ष पूपापोषी विवाविगा ॥
नमामि २ श्री चूडानामाति कुक्षीदेवी २ धर्मधा
पुपविवाविगानिपुयंती ॥ नमामि २ श्री मंजुव

ऊधगितवनीगा २ नमामि श्री यदुमनिदेवि
अदिसिद्धि देहिम ॥ ॐ ॥

26 25

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

